केंद्रीय कारागृह में जैन संत डॉ. लोकेश मुनि के प्रवचन सुनते कैदी। नवज्योति

JINENDU
Young Leader Office, P.B. No. 271, J.P. Chowk,

सेण्ट्रल जेल में जैन मुनियों का प्रवचन

जोधपुर। पद्मपदरा से नई दिल्ली तक सात सौ किलोमीटर लम्बी पर्यावरण चेतना जागरण पदयात्रा की अगुवाई कर रहे अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य महाप्रज्ञ के युवा विद्वान शिष्य मुनि लोकप्रकाश लोकेश एवं मुनि धर्मेश कुमार का सेण्ट्रल जेल में प्रवचन का विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें जेल अधीक्षक श्यामसुन्दर बिस्सा सहित सैकड़ों कैदियों ने भाग लिया तथा प्रेक्षाध्यान के विविध प्रयोग कर अपूर्व आत्मिक शांति का अनुभव किया।

मुनिश्री लोकप्रकाश लोकेश ने कैदियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मानव मात्र भूलों का पुतला है, उससे भूल होना स्वाभाविक है, किन्तु अपनी भूल को सुधारना, उसे स्वीकार करना तथा उसे पुनः नहीं दोहराना जीवन विकास का पथ है। उन्होंने कहा व्यक्ति केवल उपदेश नहीं प्रयोग से बदलता है। प्रेक्षाध्यान के प्रयोगों से व्यक्ति अपनी आदतों व स्वभाव को बदल सकता है। अब तक हजारों व्यक्ति प्रेक्षाध्यान के वैज्ञानिक प्रयोगों से नशे, गुस्से एवं तनाव जैसी जटिल समस्याओं से मुक्त होने में सफल हुए हैं। मुनि श्री धर्मेशकुमार ने प्रेक्षाध्यान के महाप्राण ध्वनि, कायोत्सर्ग एवं विचार प्रेक्षा के प्रयोग को करवाते हुए कहा कि विचार प्रेक्षा से निषेधात्मक भाव तिरोहित होते हैं। कायोत्सर्ग से शारीरिक मानसिक एवं भावात्मक तनाव खत्म होते हैं तथा महाप्राण ध्वनि से आत्म शांति प्राप्त होती है एवं आंतरिक शक्तियों का अभ्युदय होता है। उन्होंने कहा नशा और गुस्सा दो जटिल समस्या है, उसमें व्यक्ति की विवेक चेतना लुप्त हो जाती है जिससे करणीय, अकरणीय कार्यों का भान नहीं रहता है। उन्होंने कहा दीर्घ श्वास प्रेक्षा का प्रयोग इनसे मुक्ति पाने को रामबाण औषधि है।

जेल अधीक्षक श्री श्यामसुन्दर बिस्सा ने जेल प्रांगण में मुनिश्री का स्वागत करते हुए कहा कि कैदियों में अनेक प्रकार के तनाव पाये जाते हैं। प्रेक्षाध्यान के प्रयोगों से आसानी से तनाव मुक्त होने में सफलता मिलती है। उन्होंने मुनि द्वय से जेल प्रांगण में निरन्तर प्रेक्षाध्यान के प्रयोग आयोजित करने का निवेदन किया।

मुनि अक्षय कुमार एवं मुनि यशवंत कुमार के अणुव्रत गीत से कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। पदयात्रा प्रवक्ता श्री केवलचंद चोपड़ा ने बताया कि प्रेक्षाध्यान प्रयोगों से सैकड़ों कैदी अत्यंत प्रभावित हुए।

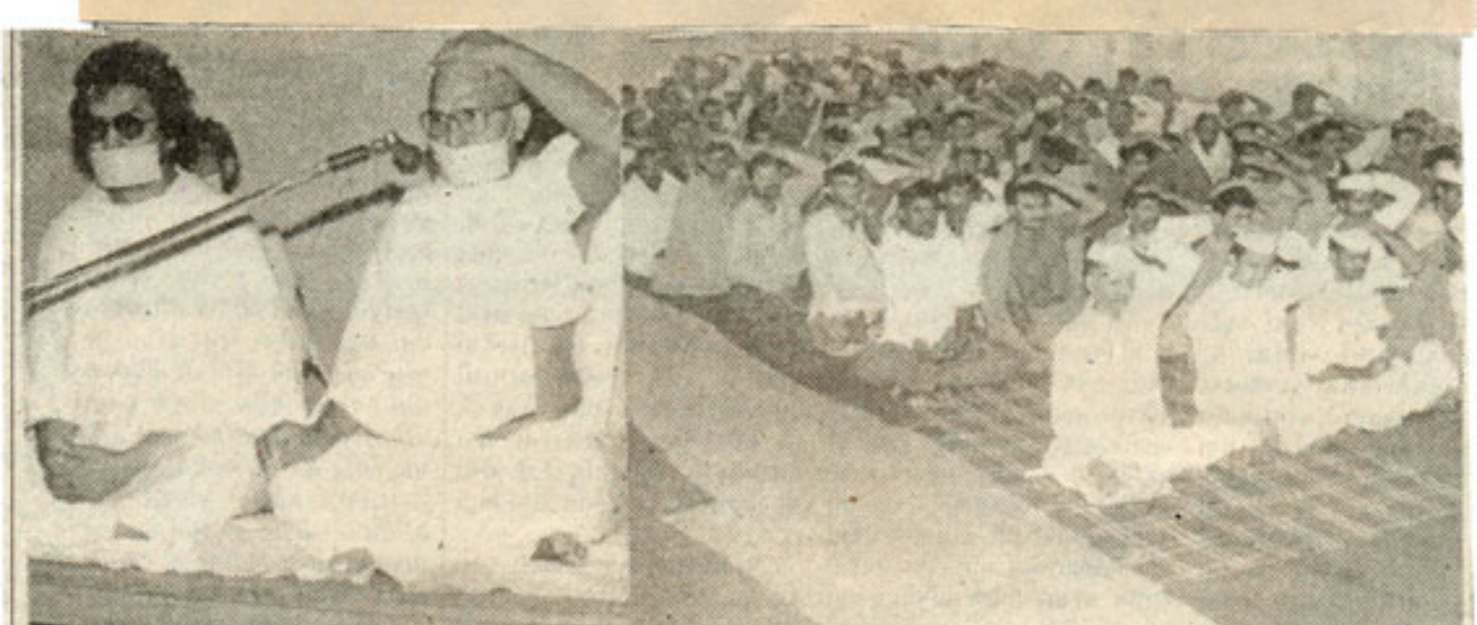

सेन्ट्रल जेल जोधपुर में मुनि लोकप्रकाश लोकेश के सान्निध्य में कैदियों को प्रेक्षाध्यान के प्रयोग कराते हुए मुनि धर्मेश